

HISTORY OF DEVELOPMENT PARADIGMS

विकास प्रतिमानों का इतिहास

(1940s-1960s)

(1960s-1970s)

(1990s-Present)

Post-World War II Era and Modernization Theory

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का युग
और आधुनिकीकरण सिद्धांत



- Walt Rostow
- Daniel Learner
- Wilbur Schramm

Dependency Theory and World-Systems Theory

निर्भरता सिद्धांत और
विश्व-प्रणाली सिद्धांत



- Raul Prebisch
- Hans Singer
- A.G Frank
- Immanuel Wallerstein

Alternative/ Participatory/Multiplicity Paradigm

वैकल्पिक/सहभागी/
बहुलता प्रतिमान



- Jan Servaes
- Majid Tehranian
- Srinivas Melkote
- Paulo Freire
- Sadanand Nair



Rohit Yadav

PhD Scholar at
Central University of Rajasthan

JRF Media Academy



UGC-NET PAPER 1

FULL COURSE

✓ Let's Find Out Every Concept in Detail.



COMPLETE SYLLABUS – TOPIC WISE



LATEST PYQ's WITH DETAILED SOLUTIONS



TOPIC-WISE VIDEO LECTURES



HINDI & ENGLISH



MASS COMMUNICATION
PAPER 2

FULL COURSE



UGC-NET by **Rohit**

UGC-NET Paper 1 Complete Syllabus with
Latest PYQ's Solutions.



The Participatory/Multiplicity/Emerging Paradigm (1990's)



सहभागी/बहुलता/उभरती प्रतिमान (1990 का दशक)

Key Features | प्रमुख विशेषताएँ



It is the reaction to all the previous development paradigms (Modernisation and Dependency)

यह सभी पूर्व विकास प्रतिमानों (आधुनिकीकरण और निर्भरता) के प्रति प्रतिक्रिया है।



Unlike the Dominant paradigm, which focuses on a top-down approach, the participatory paradigm focuses on the democratic participation of all stakeholders.

प्रभुत्वशाली प्रतिमान के विपरीत, जो शीर्ष-से-नीचे दृष्टिकोण पर केंद्रित है, सहभागी प्रतिमान सभी हितधारकों की लोकतांत्रिक भागीदारी पर केंद्रित है।



It is less oriented towards the political-economic dimension and more rooted in cultural realities of development focusing on peoples' participation. यह राजनैतिक-आर्थिक आयाम से कम और सांस्कृतिक यथार्थों में अधिक निहित है, जो लोगों की भागीदारी पर केंद्रित विकास पर जोर देता है।



Development is an integral, multidimensional, and dialectic process that can differ from society to society.

विकास एक समेकित, बहुआयामी और द्वंद्ववादी प्रक्रिया है जो समाज से समाज में भिन्न हो सकती है।



This paradigm emphasizes on cultural identity यह प्रतिमान सांस्कृतिक पहचान पर जोर देता है।

Key Features (Contd.) | प्रमुख विशेषताएँ (जारी)



Greater emphasis had been put on the interpersonal channels. अंतरव्यक्तिक चैनलों पर अधिक जोर दिया गया है।



It emphasizes people as the nucleus of development. यह लोगों को विकास का केंद्र मानता है।



Unlike, the modernization paradigm, it encourages the subject to be the active participator आधुनिकीकरण प्रतिमान के विपरीत, यह विषय को सक्रिय सहभागी बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।



people-centred approach. लोग-केंद्रित दृष्टिकोण।



It follows bottom-up approach or horizontal communication development as it depends on the dialectic process यह नीचे-से-ऊपर दृष्टिकोण या क्षैतिज संचार विकास का अनुसरण करता है, क्योंकि यह द्वंद्ववादी प्रक्रिया पर निर्भर करता है।



JRF Media Academy by Rohit



The Participatory/Multiplicity/Emerging Paradigm (1990's)



सहभागी/बहुलता/उभरती प्रतिमान (1990 का दशक)

“

This is not the privilege of some few men,
but the right of every (wo)man.
Consequently, no one can say a true word alone –
nor can he say it for another,
in a prescriptive act that robs others
of their words.

Paula Freire

यह कुछ गिने-चुने पुरुषों का विशेषाधिकार नहीं,
बल्कि प्रत्येक (स्त्री/पुरुष) का अधिकार है।
इसलिए कोई भी व्यक्ति अकेले सत्य नहीं कह सकता –
और न ही वह किसी और के लिए कह सकता है,
एक ऐसी निर्देशात्मक क्रिया में जो दूसरों के शब्दों को छीन लेती है।



Key Features (मुख्य विशेषताएँ)

- ✓ The emerging paradigm of development focuses on people's participation and empowerment, rather than solely economic aspects.
उभरती प्रतिमान विकास में लोगों की सहभागिता और सशक्तिकरण पर केंद्रित है, न कि केवल आर्थिक पहलुओं पर।
- ✓ It was less oriented towards the political-economic dimension and more rooted in cultural realities of development focusing on peoples' participation.
यह राजनैतिक-आर्थिक आयाम की तुलना में कम उन्मुख था और विकास में लोगों की सहभागिता पर ध्यान केंद्रित करते हुए सांस्कृतिक यथार्थों में अधिक निहित था।
- ✓ Paolo Freire and other scholars advocated for development as liberation, emphasizing the importance of power and rights issues at the grassroots level.
पाओलो फ्रेरे और अन्य विद्वानों ने विकास को मुक्ति के रूप में प्रतिपादित किया, तथा जमीनी स्तर पर शक्ति और अधिकार के मुद्दों की महत्ता पर जोर दिया।



Key Features (Contd.) (मुख्य विशेषताएँ - जारी)

- ✓ Greater emphasis had been put on the interpersonal channels.
अंतरव्यक्तिक चैनलों पर अधिक जोर दिया गया है।
- ✓ It emphasizes people as the nucleus of development.
यह लोगों को विकास का केंद्र मानता है।
- ✓ Unlike, the modernization paradigm, it encourages the subject to be the active participator.
अधुनिकीकरण प्रतिमान के विपरीत, यह विषय को सक्रिय सहभागी बनने के लिए प्रोत्साहित करता है।



- ✓ people-centred approach.
लोग-केन्द्रित दृष्टिकोण।
- ✓ It follows bottom-up approach or horizontal communication development as it depends on the dialectic process.
यह नीचे-से-ऊपर दृष्टिकोण या क्षैतिज संचार विकास का अनुसरण करता है, क्योंकि यह द्वंद्वात्मक प्रक्रिया पर निर्भर करता है।



JRF Media Academy by Rohit





Participatory Approach

सहभागी दृष्टिकोण

People at the core of development processes.

लोग विकास प्रक्रियाओं के केंद्र में होते हैं।



It stresses the significance of the cultural identity of local communities, democratisation, and people's participation at all levels.

यह स्थानीय समुदायों की सांस्कृतिक पहचान, लोकतंत्रीकरण और सभी स्तरों पर लोगों की भागीदारी के महत्व पर जोर देता है।



It emphasises emancipatory processes that strive towards redistribution of power and greater voice to the marginalised.

यह मुक्ति की प्रक्रियाओं पर जोर देता है जो सत्ता के पुनर्वितरण और हाशिए पर मौजूद लोगों को अधिक आवाज देने की दिशा में प्रयासरत रहती हैं।



Equity in information and other benefits of development सूचना और विकास के अन्य लाभों में समानता



Active distribution participation of the people at the grassroots जमीनी स्तर पर लोगों की सक्रिय भागीदारी



Independence of local communities (or nations) to tailor development projects to their objectives.

स्थानीय समुदायों (या राष्ट्रों) की स्वतंत्रता परियोजनाओं को उनके उद्देश्यों के अनुसार ढालने के लिए।



Participatory Approach

सहभागी दृष्टिकोण



In the participatory approach, engagement of stakeholders is essential for assessing risks, identifying opportunities, preventing problems and identifying the needed change. This is the model communication to assess and to empower are its key focal points. In this model, the media is no longer the central element of communication

सहभागी दृष्टिकोण में, हितधारकों की भागीदारी जोखिमों का आकलन करने, अवसरों की पहचान करने, समस्याओं को रोकने और आवश्यक परिवर्तन की पहचान करने के लिए आवश्यक है। यह आकलन करने और सशक्त बनाने के लिए संचार का मॉडल है इसके प्रमुख बिंदु। इस मॉडल में, मीडिया अब संचार का केंद्रीय तत्व नहीं है।





Basic Needs Approach

मूलभूत आवश्यकताएँ दृष्टिकोण



The Basic needs approach is rooted within the ideas of well-being and focuses upon the fulfilment of basic human needs of people as the overriding objective of any development policy.

मूलभूत आवश्यकताएँ दृष्टिकोण कल्याण की अवधारणा पर आधारित है और किसी भी विकास नीति का सर्वोपरि उद्देश्य लोगों की मूलभूत मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति पर केन्द्रित है।



It was introduced in the 1970s by the International Labour Organization (ILO)

इसे 1970 के दशक में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा प्रस्तुत किया गया था।



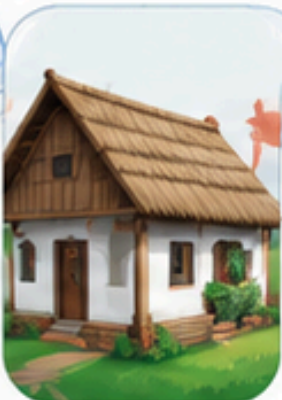
A response to the perceived failures of earlier development strategies to adequately address poverty and inequality in developing countries.

यह विकासशील देशों में गरीबी और असमानता को प्रभावी ढंग से संबोधित करने में पूर्ववर्ती विकास रणनीतियों की विफलताओं की प्रतिक्रिया है।



It reflects principles that are closely aligned with Gandhi's philosophies and ethical viewpoints on development, self-sufficiency, and social justice.

यह गांधीजी के विकास, आत्मनिर्भरता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों तथा नैतिक दृष्टिकोणों के साथ निकटता से संरेखित सिद्धांतों को दर्शाता है।



Basic Needs Approach

मूलभूत आवश्यकताएँ दृष्टिकोण

“

Meeting basic needs of the 'last' person of society and the need to curb unscrupulous exploitation of natural resources.

समाज के 'अंतिम' व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना और प्राकृतिक संसाधनों के अनैतिक शोषण पर अंकुश लगाना।

”



Basic Needs Approach

मूलभूत आवश्यकताएँ दृष्टिकोण

- 1 Provide adequate food and clean drinking water पर्याप्त भोजन और स्वच्छ पेयजल
आवश्यकताओं को पूरा करना
- 2 Provide decent shelter उचित आवास उपलब्ध कराना
- 3 Provide education शिक्षा प्रदान करना
- 4 Provide security of livelihood आजीविका की सुरक्षा प्रदान करना
- 5 Help people participate in decision making निर्णय लेने की प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी में सहायता करना
- 6 Uphold a person's dignity and self respect. व्यक्ति की गरिमा और आत्म-सम्मान को बर्ताना रखना।



Paulo Freire

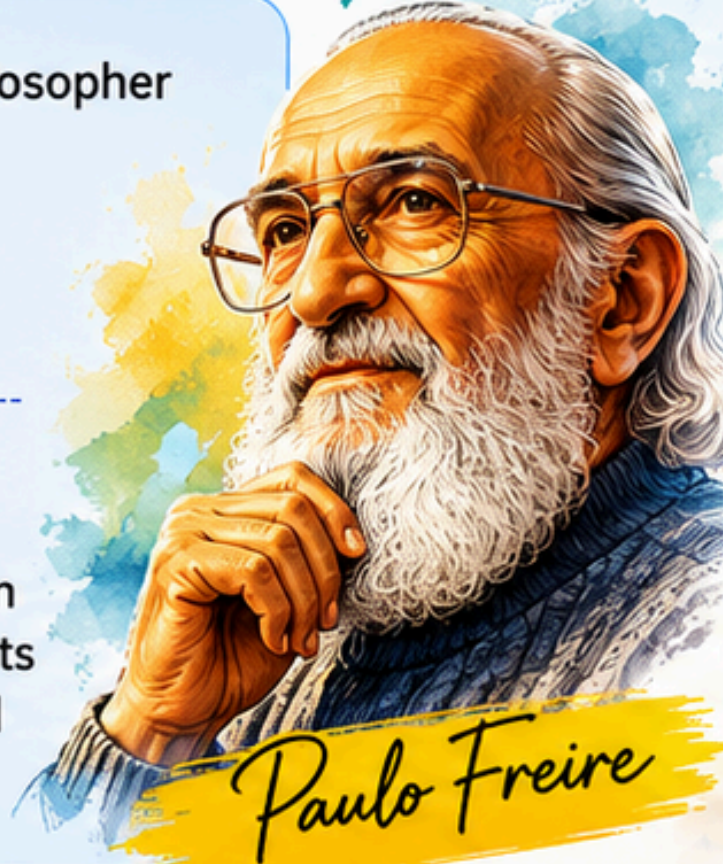


He was a Brazilian educator and philosopher known for his influential work in **critical pedagogy**.

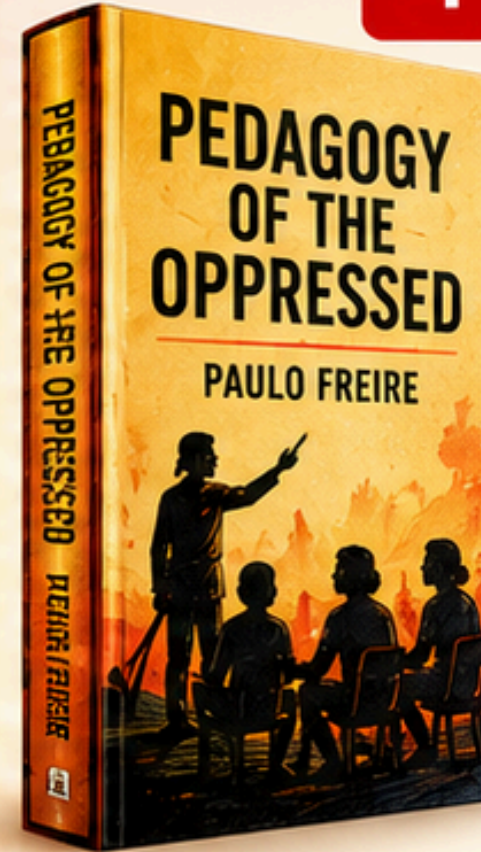
वे एक ब्राज़ीलियन शिक्षाविद और दार्शनिक थे, जो क्रिटिकल पैडमॉजी के लिए प्रसिद्ध थे।



His groundbreaking book **"Pedagogy of the Oppressed"** emphasized learner-centred education and advocated for empowering students to think critically about their social and political context.



Paulo Freire



Paulo Freire's "Pedagogy of the Oppressed"



It is a seminal work in the field of education and critical pedagogy, first published in 1970.

यह शिक्षा और क्रिटिकल पैडमॉजी की एक महत्वपूर्ण कृति है, जो पहली बार 1970 में प्रकाशित हुई थी।



It presents a method of education that aims to transform oppressive structures by empowering learners and encouraging critical consciousness. यह शिक्षा की एक ऐसी विधि प्रस्तुत करती है, जो शिक्षार्थियों को सशक्त बनाकर दमनकारी संरचनाओं को बदलने का प्रयास करती है।



He critiques traditional education systems, which he describes using the "banking model," where teachers deposit information into passive students, reinforcing a top-down power dynamic and inhibiting critical thinking and creativity.

वे पारंपरिक शिक्षा प्रणाली की आलोचना करते हैं, जिसे वे "बैंकिंग मॉडल" कहते हैं, जो छात्रों को निष्क्रिय बनाती है और आलोचनात्मक सोच व रचनात्मकता को रोकती है।

“Education is not the act of depositing information, but of creating the possibilities for its own production or construction.” – Paulo Freire

Banking Model



- Teacher deposits information
- Students are passive
- Top-down power
- Limits critical thinking and creativity

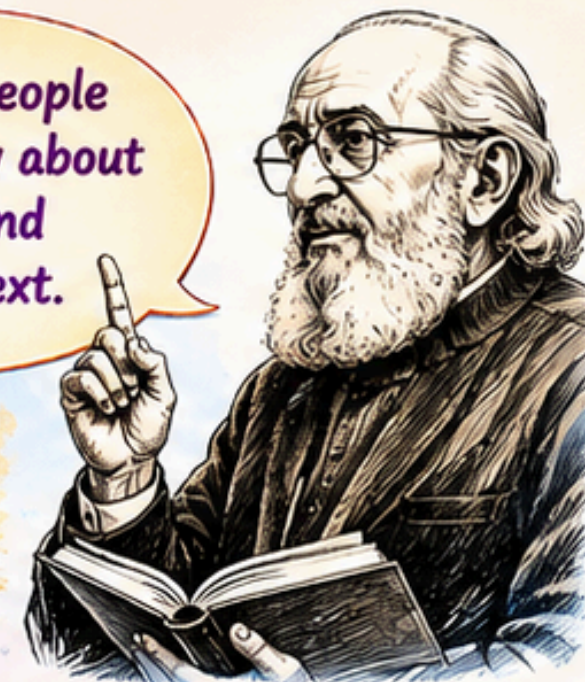


Freire's Critical Pedagogy



- Dialogue and participation
- Students are active co-learners
- Equality and empowerment
- Develops critical thinking and creativity

Empowering people to think critically about their social and political context.



JRF Media Academy by Rohit

Paulo Freire

पाउलो फ्रेइरे



He was a Brazilian educator and philosopher known for his influential work in **critical pedagogy**.

वे एक ब्राजीलियन शिक्षाविद् और दार्शनिक थे, जो क्रिटिकल पैडागॉजी के लिए प्रसिद्ध थे।



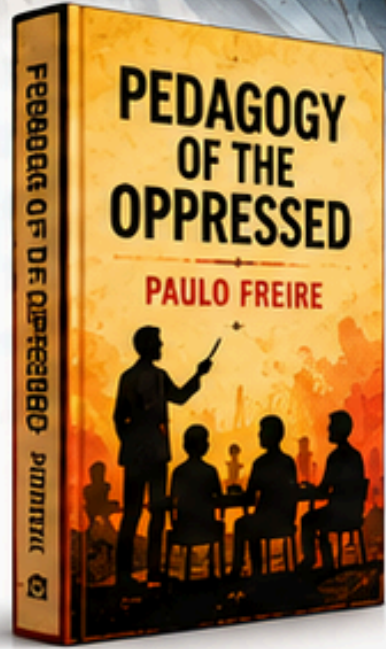
His groundbreaking book "**Pedagogy of the Oppressed**" emphasized learner-centred education and advocated for empowering students to think critically about their social and political context.

उनकी महत्वपूर्ण पुस्तक "**Pedagogy of the Oppressed**" ने शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा पर जोर दिया और छात्रों को अपने सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ के बारे में आलोचनात्मक सोचने के लिए सशक्त बनाने की वकालत की।

“

"Education is not the act of depositing information, but of creating the possibilities for its own production or construction." – Paulo Freire

शिक्षा जानकारी जमा करने का कार्य नहीं है, बल्कि अपनी खुद की रचना या निर्माण की संभावनाएँ बनाने का कार्य है। ”



Empowerment
सशक्तिकरण



Critical Thinking
आलोचनात्मक सोच



Dialogue
संवाद



Learner-Centred
शिक्षार्थी-केंद्रित



Social Justice
सामाजिक न्याय

Paulo Freire (2008) defined four major levels of dominant paradigm:

पाउलो फ्रेइरे (2008) ने प्रमुख प्रतिमान के चार मुख्य स्तर निर्धारित किए:

1

Cultural level
सांस्कृतिक स्तर



At the **cultural level**, dominant paradigms are reflected in societal norms and values.

सांस्कृतिक स्तर पर, प्रमुख प्रतिमान समाज के मानदंडों और मूल्यों में प्रतिबिंबित होते हैं।

2

Technocratic level
तकनीकी-वैज्ञानिक स्तर



The **technocratic level** refers to how technology and scientific knowledge are used to maintain the dominant paradigm.

तकनीकी-वैज्ञानिक स्तर इस बात को संदर्भित करता है कि प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक ज्ञान का उपयोग प्रमुख प्रतिमान को बनाए रखने के लिए कैसे किया जाता है।

3

Political level
राजनीतिक स्तर



The **political level** refers to how power is structured in society.

राजनीतिक स्तर इस बात को संदर्भित करता है कि समाज में सत्ता की संरचना कैसी होती है।

4

Economic level
आर्थिक स्तर



The **economic level** is concerned with how wealth is distributed.

आर्थिक स्तर इस बात से संबंधित है कि धन का वितरण कैसे होता है।



JRF Media Academy by Rohit

The Participatory/Multiplicity/Emerging Paradigm

Communication for Development and Social Change

संचार विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए

	1. Civil conflicts	नागरिक संघर्ष
	2. Climate change	जलवायु परिवर्तन
	3. Communicable diseases	संचारी रोग
	4. Education	शिक्षा
	5. Financial stability	वित्तीय स्थिरता
	6. Governance	शासन
	7. Hunger and malnutrition	भूख और कुपोषण
	8. Migration	प्रवास
	9. Trade reform	व्यापार सुधार
	10. Water and sanitation	जल और स्वच्छता



JRF Media Academy by Rohit

Jan Servaes (1986)

'Multiplicity' or 'another development' मल्टिप्लिसिटी' या 'अन्य विकास'



- Jan Servaes (1986) postulated a new paradigm - 'multiplicity' or 'another development', which stated, 'development must be conceived as an integral, multi-dimensional and dialectic process which can differ from country to country'.

जान सर्वेस (1986) ने एक नए प्रतिमान 'मल्टिप्लिसिटी' या 'अन्य विकास' का प्रतिपादन किया, जिसमें कहा गया, 'विकास को एक समग्र, बहुआयामी और द्वंद्वात्मक प्रक्रिया के रूप में कल्पित करना चाहिए जो देश-दर-देश भिन्न हो सकती है।'



Each country should form their own model of development by keeping in mind the factors such as basic needs, endogeneity (stemming from the heart of each society), self-reliance, ecological balance, participatory democracy and structural transformations.

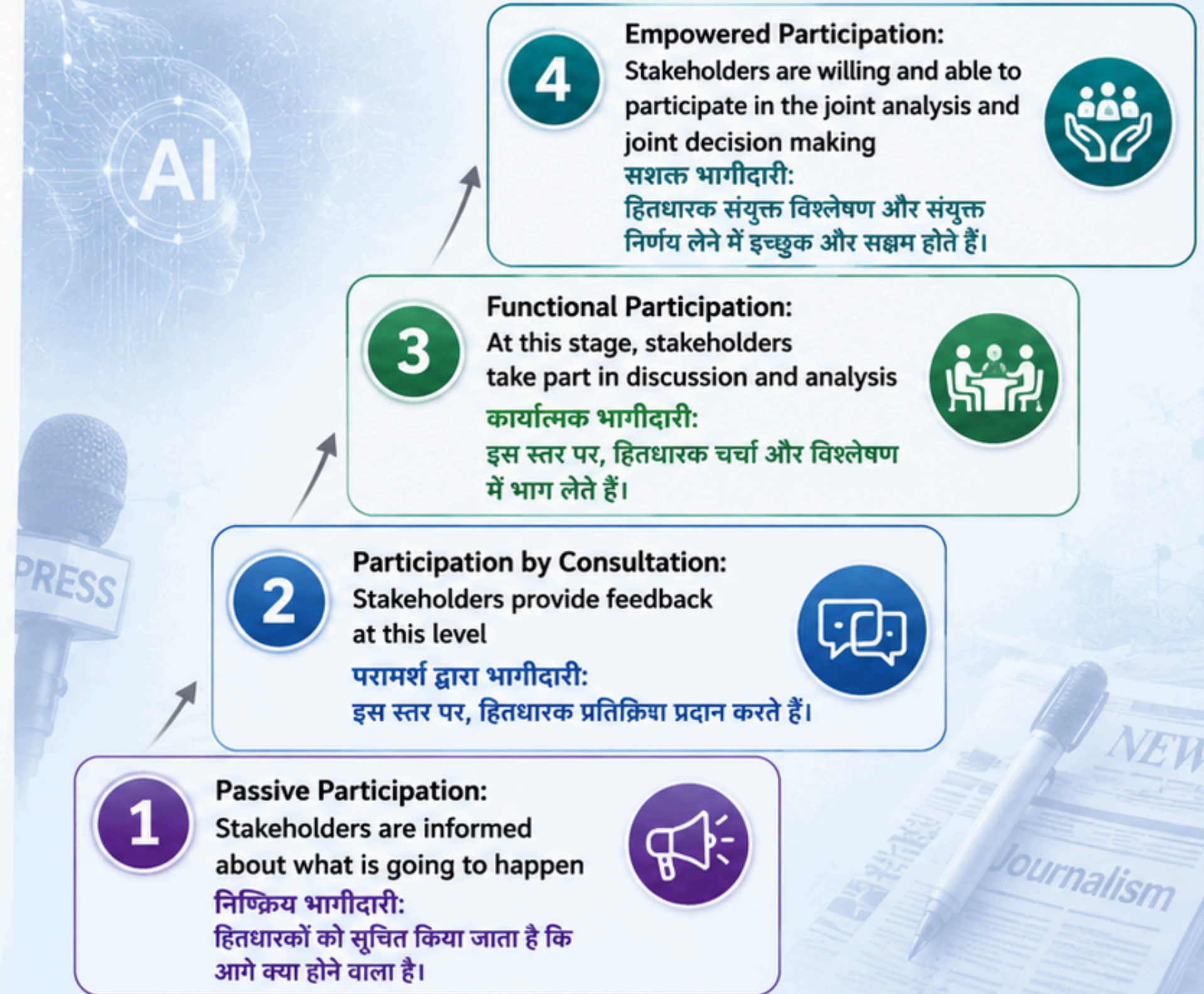
प्रत्येक देश को अपनी विकास मॉडल स्वयं तैयार करना चाहिए, जिसमें बुनियादी आवश्यकताओं, एण्डोजेनी (प्रत्येक समाज के हृदय से उत्पन्न), आत्म-निर्भरता, पारिस्थितिक संतुलन, सहभागी लोकतंत्र और संरचनात्मक परिवर्तन जैसे कारकों को ध्यान में रखा जाए।



The other scholar associated with this approach were Majid Teharanian

इस दृष्टिकोण से जुड़े अन्य विद्वान मजीद तेहरानियन थे।

Levels of Participation (Jan Servaes Model) भागीदारी के स्तर (जान सर्वेस मॉडल)





PARTICIPATORY DEVELOPMENT COMMUNICATION



MCQs – Test Your Understanding

1

The organic model of development communication demands the beneficiaries to be:



- ☐ A Passive Participants
- ☒ B Active Participants
- ☐ C Neutral
- ☐ D None of the above

2

The participatory use of media for development is characterised by:



- ☐ A Centrally controlled programmes
- ☒ B Decentralised programmes
- ☐ C Production by specialists
- ☐ D Single source, many receivers

3

For Jan Servaes, cultural diversity belongs to the cluster of :



- (1) Normative concepts
- ☒ (2) Contextual concepts
- (3) Strategic concepts
- (4) Advocacy concepts

4

Which approach is most appropriate for developing an advertisement for the development of a communication campaign in rural areas?



- 1. Different Approach
- ☒ 2. Participatory Approach
- 3. Non-Participatory approach
- 4. None of the above

5

The idea of participation for liberation was advocated by :



- ☒ (1) Paulo Freire
- ☐ (2) E.M. Rogers
- ☐ (3) A.G. Frank
- ☐ (4) A.A. Berger



JRF Media Academy by Rohit

